# और उस समय से

निश्चय ही वापस आना अच्छा है और भाई, पास्टर को सुनना, अपनी लड़की के साथ। परमेश्वर के अनुग्रह की गवाही देना यह प्रभु यीशु के समान है, इस प्रकार की चीजें करना। निश्चय ही।

2 अब, आज रात्रि, हम बहुत प्रसन्न है, कि हमारे एक अतिथि यहां हमारे साथ है, जैसा कि हम कहते हैं, कि नए वर्ष की रात्रि को प्रार्थना सभा है, मेरे एक अच्छे मित्र, भाई एर्नी फेनडलर, हमारा एक मत परिवर्तन प्रभु यीशु को, अनुग्रह का एक विजय चिन्ह। उसका मूल घर स्विजरलैंड में है, जहां से वह आया। और विश्वास करता हूं कि वहां एक भाई उसके साथ जो कि अब वे शावानो में रह रहे है, वंश से जर्मनी, एक भाई वाटर्स। हम प्रसन्न है कि ये लोग आज रात्रि हमारे साथ है।

3 फिर आज रात्रि हमारे साथ, एक—एक और बहुमूल्य विश्वास का भाई, दक्षिण अफ्रीका से, भाई डेविड डूप्लेस्सिस है। उनको भी पाकर हम प्रसन्न है। और हम, डेविड और मैं, आशा कर रहे है—है, या प्रार्थना कर रहे है, कि इस आने वाले वर्ष, प्रभु हमें एक साथ महान कार्य देगा, अफ्रीका में और संसार के विभिन्न भागों में। इस पर बात करने के लिए, और इस पर प्रार्थना करने के लिए भाई डेविड यहां है, अब और सोमवार के बीच की अफ़्रीका में—में कब, और कहां संसार के विभिन्न भागों में जाना है। जैसा कि भाई डेविड का पेंटीकोस्टल वर्ल्ड कन्वेंशन के साथ स्थाई दफ्तर है, और बहुत से जाने-माने महान धार्मिक नेताओं के साथ समस्त संसार में। और राजी करने में बहुत ही प्रभावी और इस कारण कि जब तक हमारे साथ है, कि यीशु मसीह की देह को एक साथ मिलाने में सहायक विश्वास के सारे नामधारियों को। इस से मतलब नहीं कि (वे) कौन सी कलीसिया से है या (वे) कौन सी छाप के है। यह वह कलीसिया है, जिसके लिए मसीह मरा।

4 और मैंने अक्सर इसके लिए सोचा। वहां पश्चिम में मैंने पशुओं को घेरने में, बहुत बार सहायता की है। भाई डेविड हम जाएंगे और वहां बैठेंगे जहां वे पशुओं को झुकी हुये बाडे की ओर खदेड़ते है, उन पहाड़ों में ताकि उनको भोजन कराएं... उन्हें चरवाहों में घास चराए... जंगल के। जबकि नीचे की

ओर घास के मैदान बढ़ रहे हैं, जंगली घास के मैदान। तब वे घास के मैदान को काटते हैं और सारे उस—उस शरद ऋतु में पशुओं को खिलाते है, जब बहुत बर्फ पड़ती है, पहाड़ों पर।

5 और काठी पर बैठ जाया करता था और जंगल के पहरेदारो को उन पशुओं को लाते देखा करता था; और नीचे हर, एक पशुशाला जो टनों चारा उगा सकती थी। यदि वे पच्चास टन चारा उगा सके, इसका मतलब वे पच्चास पशु रख सकते थे। यदि वे हजार टन चारा उगा सके, तो हजारों पशु का गुजारा हो सकता था। प्रत्येक व्यक्ति, अपनी ही छाप की गाय रखता। सही है कि वे अपनी ही छाप की गाय को ध्यान देते हैं, विभिन्न पशु शालाएं ताकि वे उन्हें आपस में ना मिला दे। और फिर जब...

6 वह जंगल वाला, वह इसमें कोई रुचि नहीं रखता कि, कौन सी छाप का पशु निकल रहा है, क्योंकि वहां सब प्रकार के होते है। परंतु उसे वास्तव में एक चीज की जांच रखनी होती थी, वह लहू का निशान। उन्हें हेरीफोर्ड में पंजीकृत करना होता था, या वे गेट से नही निकल सकते थे, वे उन्हें वापस कर देते। समझे?

7 और मैं सोचता हूं कि न्याय में भी यही होगा। यह वह नहीं कि हम किस छाप को पहने है, परंतु यदि लहू की पट्टी वहां है। वही चीज है जो—जो मान्य होगी लहू की पट्टी।

और मैं बहुत ही आनंदित हूं कि भाई डेविड हमारे साथ है।

8 और मैंने भाई इस्टल बिलर को अभी थोड़ी देर पहले यहां देखा था। मैंने उन्हें कहीं से पीछे उठते हुए देखा था, कहीं। और दूसरा सेवक जिससे आज रात्रि हम सुनना चाह रहे थे। और, फिर, मैं समझता हूं, भाई रुडेल और वे भीतर आयेंगे, क्योंकि वे आधी रात तक यहीं रुकने जा रहे है।

9 जो भी है, भाई डेविड यहां आधी रात तक नहीं रुक सकते। वह व्यक्ति उसकी बहुत ही मांग है, हर कहीं। और जैसे ही भाई रोजर्स ने सुना कि वह यहां पर है, तो, उन्होंने उन्हें यहां बुलाने के लिए दस बजे बुलावा भेजा। इसलिए इसका अर्थ है वह यहां के लिए जल्द ही चल देगे, ताकि दक्षिणी लुईसविले पहुँचे।

10 और मैंने सोचा यह भला होगा, यदि यह भाई डेविड के साथ ठीक रहे, यदि—यदि हम उन्हें यहां पा सके और उनके ह्रदय में क्या है हमें प्रचार

करें, और जो प्रभु ने रखा है, वही करें। हम सब भाई डेविड डूप्लेस्सिस को सुनना चाहते है, दक्षिणी अफ्रीका से।

11 मैं यह कह दूं कि, जब मैं, वहां अफ्रीका में था, अपने उस महा अभियान में जो प्रभु ने मुझे वहां दिया, उसका भाई मेरा अनुवाद करने वाला था, भाई जस्टस। मैं विश्वास करता हूं कि उसका नाम भाई जस्टस था। और एक वास्तविक अच्छे लोगों का परिवार, क्या ये डूप्लेस्सिस भाई लोग है। मैं सोचता हूं मैं समझता हूं... मैं समझता हूं कि वे सब सेवक है जहां तक, कि मैं जानता हूं, और शायद पिता भी वह सेवक थे। और वे और वे अच्छे परिवार के लोग है। भाई डेविड पेक्सस सारी कलीसिया और नामधारियों के सारे संसार में महान नाम है।

12 और भाई डेविड मैं चाहूंगा कि वे आए और हमारे लिए बोले, या जो भी परमेश्वर ने उनके हृदय पर कहने के लिए रखा है। सीधे यहां आने और अपनी कलीसिया से आज रात्रि परिचय करवाते हुए मैं प्रसन्न हूं। यह भाई ओरमन नेविल, हमारे पास्टर। और कलीसिया को, यह मेरे मूल्यवान मित्रों में से एक है, और—और प्रभु की सेवकाई में सहयोद्धा, भाई डेविड डूप्लेस्सिस दक्षणी अफ्रीका से। भाई डेविड, परमेश्वर आपको आशीष दे।

13 [भाई डेविड डूप्लेस्सिस बोलते हैं। खाली स्थान—सम्पा।] ... बोले। आमीन। हम सब ने किया। भाई डेविड जल्द ही वापस और फिर हमारे साथ हो। यह बहुत अच्छा है। निश्चय ही हम प्रसन्न है।

14 भाई डेविड ने वहां कुछ कहा मेरी इच्छा थी, कि यदि मेरे पास मेरा कलम होता तो, मैं यह लिख लेता। परंतु मैं सदा याद रखूंगा "पोते; पर पोते।"

15 निश्चय ही, हम अपने भाई के आने की सराहना करते है। और वह... पेंटीकोस्टल... विश्वासियो के विश्व सम्मेलन से सम्बन्धित है, और अपने कार्य में एक महान व्यक्ति है सारे संसार भर में। और हम आज रात्रि सौभाग्यशाली है कि भाई डेविड का यहां आकर नए वर्ष की रात्रि में बोलना। और आप देख सकते हैं कि महान व्यक्ति हमारे प्रभु के विषय में, क्या सोचता है, उसके महान सेवक के विषय में सोचिए।

16 अब मैं यह विश्वास करता हूं, कि कल नया वर्ष होने के नाते, अब कुछ घंटे शेष रह गए है। और मुझे प्रातः जल्दी छोड़ना है, इसलिए मैंने सोचा मैं थोड़ा ही बोलूंगा, यदि यह भाई नेविल को ठीक लगे। [भाई नेविल कहते

है, "हां। आमीन।"—सम्पा।] भाई बीलर, और दूसरे सेवक यहां पर है। अधिक समय नहीं लगेगा और मैं सोचता हूं, यदि हम "आमीन," कहेंगे और घर जाए, यह शानदार संदेश होगा। और हम प्रभु के धन्यवादित हो सकेंगे, उसके लिए जो आज रात्रि हमारे पास है।

17 और अब, परंतु नववर्ष की रात्रि होने के नाते, हम परमेश्वर के राज्य के द्वारा, एक दूसरे का मनोरंजन करते हैं, तब तक प्रचार करते हैं जब तक नया वर्ष नहीं आ जाता। और मेरे पास... लड़के प्रातः उठकर, दिन निकलने से पहले। और मैं डेविड के समान युवा नहीं हूं। संभव है मैं... सम्भव है मैं स्वयं को उसके समान युवा अनुभव नहीं करता जैसा वह करता है। वह... निश्चय ही, डेविड मुझसे थोड़ा—थोडा बड़ा है, मैं सोचता हूं कि वह सात या आठ वर्ष बड़ा है हो सकता है, दस। परंतु निश्चय ही वह परमेश्वर के लिए, आग का गोला है इस वर्ष पचास हजार मील यात्रा की है, परमेश्वर के राज्य के लिए। अपनी यात्रा में भाई रोजर्स के यहां प्रचार करने को, और कल किसी के साथ कहीं और फिर कही और, कही और फिर यहां वापस सोमवार को। और मुझे उनसे मिलना है ताकि आने वाले विश्व भ्रमण के लिए प्रबंध करें।

18 और हमें अफ्रीका में होना है, मैं समझता हूं कि इस दोपहर बाद, मार्च में, इस—इस आने वाले मार्च में। मुझे क्लेटोन सैंडमोर, जो फूल गोस्पल बिजनेसमेंन से हैं मिलना है, इस या आने वाले सप्ताह में, उसके पहले भाग में, और जमायका के लिए प्रबंध करना है, हैटी का। अगले सप्ताह मैं केन्टकी, या जॉर्जिया उन सभाओ को लेने, के लिए जाता हूं। फिर वापस आकर और केन्टकी होते हुए एक रात्रि यहां पर, और रात्रि वहां इन कलीसियाओं को पकड़ रहा हूं। और वहां से सीधा घर वापस आकर अटलान्टिक शहर के लिए—के लिए—के लिए जाता हूं, 27 से आरंभ करके 30वे तक और 1ली की प्रातः छोड़कर और किंग स्टोन, जमायका में—में आरंभ करना है, वहां पर... दौड़ के मैदान में, उस रात्रि, वहां दस दिनों की सभा। और फिर वहां से हैटी को, और जहां भी, वहां से कहां जाना है। हम नहीं जानते, जैसा प्रभु हमारा मार्ग दर्शन करें।

19 अब, ये सब बना रहे हैं। समझे? मैंने हां नहीं कहा है। डेविड यहां पर है, क्लेट आ रहा है। गोर्डन भाई गोर्डन लिन्डसे दक्षिणी अमेरीका के लिए आ रहे है। और—और बाकी क्रिश्चियन बिजनेसमैन लेटिन बोलने वालों के

लिए अमेरिका। और भाई डेविड स्विट्जरलैंड जर्मन के लिए, और नीचे। परंतु अभी हम नहीं जानते। आप प्रार्थना करते रहे। मैं तब तक कहीं नहीं जाना चाहता जब तक परमेश्वर जाने को नहीं कहता, और मेरी समझ से। यदि, मुझे जाने की अगुवाई होती है, और जब मैं जहाज से उतरता हूं, मैं... और कोई मतलब नहीं विरोध क्या है, मैं कह सकता हूं, "मैं प्रभु यीशु के नाम में आया हूं।"

20 मैं डेविड के लिए धन्यवादित था, वह मित्रता जो हमारी आपस में थी, क्योंकि व्यक्ति बहुत ही विशिष्ट है, परंतु वह—वह—वह निश्चय ही इस प्रभु की सेवकाई का विश्वास करता है। वह निश्चय ही करता है। और—और हमारे नाम समस्त संसार में साथ जुड़े हुए हैं, भाई डेविड और मैं।

21 और ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध रख कर मैं बहुत प्रसन्न हूं। परंतु, मित्रों मैं सराहना करता हूं। परंतु सबसे बड़ी चीज जो मैं सोच सकता हूं यीशु मसीह के साथ होना, परमेश्वर का पुत्र, वह महान।

22 अब, भाई नेविल और उनमें से कुछ अब कुछ मिनटों में बोलने जा रहे है, परंतु मैं अब पवित्र वचन में से कुछ पढना चाहता हूं।

23 और यह अच्छा है, मैं सोचता हूं, कि नए वर्ष की रात्रि में विभिन्न प्रचारको को देखता हूं, और जिस प्रकार से वे मूल पाठ को लेते है, और वे क्या कहते हैं, और आदि–आदि। हर व्यक्ति का प्रचार करने का अपना तरीका है। आप जानते हैं, परमेश्वर ने हम सब को एक सा नहीं बनाया। उसने हमें भिन्न–भिन्न बनाया है। उसने बनावट में हमें अलग–अलग बनाया है। उसने संसार को भिन्न बनाया है, और बड़े पहाड़ छोटे पहाड़ मैदान, रेगिस्तान, बड़े सफेद फूल, नीले फूल, और सब विभिन्न प्रकार के। उसने हमें अलग–अलग बनाया है। बस। उसने लाल सिर बनाए, काले सिर, भूरे सिर, सफेद सिर, मोटा, पतला, लम्बा और जो भी हो। समझे? बस उसने—उसने हमें भिन्न–भिन्न बनाया है। परमेश्वर विभिन्नता का परमेश्वर है। और इस प्रकार का। क्या आप नहीं? [सभा, कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] परंतु कुल मिला कर एक ही चीज? वाह! वाह! मुझे यह अच्छा लगता है।

24 इसलिए अब हम पवित्र शास्त्र खोले और संत मत्ती की पुस्तक, संत मत्ती का सुसमाचार, आरंभ कर रहे है... और 4था पद, मैं पढ़ना चाहता

हू... अपने लिए पाठ, प्रभु हमारी सहायता कर रहा है। संत मत्ती, 4था अध्याय।

मैं विश्वास करता हूं, इसके पहले हम पढ़े, हम प्रार्थना करें।

25 अनुग्रहकारी स्वर्गिय पिता, फिर से आभारी ह्रदयो के साथ कि हम इस नये वर्ष में आ रहे है। और तेरे समीप आते हैं और अपनी बीती हुई चिंताओं को तेरे पास लाते है, और तुझ से मांगते हैं कि आप इन्हें भूल जाने वाले समुंदर में डाल देगे, और हमारे पापों को फिर स्मरण नहीं करेंगे। और होने पाए कि हम अपने आत्मिक जीवन से ही केवल ना जांचे परंतु हमारे... हम अपनी संगति को तेरे संग जांचे। और हमारे सारे पाप हमें क्षमा करें। और हम तुझ से मांगते हैं कि आज रात्रि तेरा आत्मा हम से बातचीत करें। अब यदि हमारे विषय में कोई अशुद्ध बात हो, तो इसे जैसे पूर्व से पश्चिम दूर है ऐसा कर दे। इसे भूल जाने वाले समुदर में डाल दें, कि हमारे विरोध में फिर से स्मरण ना करें, ताकि हम इस नए वर्ष में शुद्ध, मेमने के लहू से धूल कर प्रवेश करें, और तैयार रहे।

26 होने पाए कि 1960 इतना महान वर्ष हो कि हम आपकी इतनी सेवा करने आए। हमें अत्यंत, बहुतायत से दे। यह सारी सभाए जो आगे बढ़ रही है, प्रभु, जिसके लिए हम भाई डूप्लेस्सिस के साथ सोच रहे है, और समस्त संसार में, एशिया में, और यूरोप में, और सब—सब तरफ। प्रभु, यह आपकी इच्छा हो और आपकी सामर्थ जो इन बातों कि ओर मार्गदर्शन करेगी। और यदि हम किसी भी समय आपके दिव्य अभिषिक्त मार्ग से हट जाए, तो पवित्र आत्मा हमारे मार्ग में रोकने के लिए रोड़ा अटका दे प्रभु, और हमें यही स्थान पर वापस कर दे। इसे ग्रहण करें।

27 प्रभु, इस छोटी कलीसिया को आशीषित करें। लगभग तीस वर्ष होने जा रहे हैं, मैं समझता हूं, कि अब यह परमेश्वर के एक अनुग्रह के स्मारक के रूप में यहां खड़ा हुआ है, उन नम्र लोगों के लिए। पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आप भाई नेविल को आशीषित करेंगे, पास्टर को। सारी कलीसिया को आशीष दे। ट्रस्टी, डीकन, गाना गवाने वाले, प्यानो वादक को आशीष दे, और सारी कलीसिया, प्रत्येक को, रविवार के शिक्षकों को, और जो भी यहाँ है। प्रभु होने पाए, कि इस वर्ष हम आपके अनुग्रह में बढ़े। और हमारी सदस्यता अधिक संख्या में बढ़े और—और आपकी अधिक दया से, जो कि इस बीते वर्ष थी। पिता, इसे ग्रहण करें।

28 जैसे कि हम पाठ की ओर बढ़ते है हमारी सहायता करे जिसे हम पढ़ने को है, तेरा वचन। और केवल आप, प्रभु, इसका अनुवाद कर सकते हैं और हम प्रार्थना करते हैं, कि आप इसे परमेश्वर के राज्य के लिए इसे प्रदान करेंगे। यीशु मसीह के नाम से। आमीन।

29 मैंने मूल पाठ के लिए क्या चुना है घोषणा कर रहा हूं अगले कुछ क्षणों के लिए। यह वचन में यहां मिलता है और मैं यह पढ़ूंगा यह मैं इसे, "उस समय से" कहकर पुकारूंगा।

30 मैंने नहीं सोचा था, कि उस रात्रि मैंने कहा, मेरा अनुमान नहीं था कि मैं यहां आऊंगा, क्योंकि मेरा गला खरखरा रहा था। और मेरी पत्नी ने कल मुझसे कहा, या परसों, उसने कहा, "मैं समझती हूं कि आप आराधनालय नहीं जाएंगे।"

31 और मैंने कहा, "प्रिय, मैं ऐसा नहीं सोचता। मेरा गला इतना दुःख और खरखरा रहा है।"

32 और फिर, उस रात्रि से अधिक नहीं, जब मैं बैठ गया और वचन उठाया, मैं इसमें गया।

33 भाई सोथमन आए। उन्होंने कहा, "क्या आने वाली रात्रि में आप आराधनालय जा रहे हैं? "

मैंने कहा, "हां, मैं वहां पर होऊंगा।"

34 और मैडा ने मेरी ओर घूम कर देखा, और कहा, "मैं आप को नहीं समझ पाई।"

मैंने कहा, "मैं आपको देखने की आशा नहीं करता," मैंने कहा, "या किसी को भी नहीं।"

35 कोई भी जो परमेश्वर के आत्मा की अगुवाही के द्वारा चलता है कभी नहीं समझा गया।

36 हमारे प्रभु, को वे कभी नहीं समझ सके। वह ऐसा लगता था कि उसने एक मिनट; वह एक ओर बात की, और दूसरी ओर, दूसरे मिनट। और कहीं पर वह किसी और चीज के लिए बात कर रहा है। एक समय यीशु बोल रहा है, दूसरे समय ये परमेश्वर बोल रहा है। आप समझे? यहां तक कि वहां चेलो ने कहा, अंत में कहा, "देख, अब तू हमसे खुलकर कहता है। अब हम समझते है।" समझे?

37 और यीशु ने कहा, "क्या तुम–... और क्या तुम अब विश्वास करते हो? " देखिए, इसके बाद।

38 आप यह नहीं कर सकते, क्योंकि आप आत्मा के द्वारा चलाए जाते है। और आप कुछ करना आरंभ करते हैं, आप पाते हैं कि, आप देखते है... परमेश्वर आपको कहीं प्रयोग करना चाहता है। आपको *यहां* रुकना है *यहां* जाना है, आत्मा द्वारा अगुवाही। वे विचित्र, अजीब लोग वह जीवन है जिसे आप परमेश्वर के लिए पवित्र करते है।

39 और तब मैं सदा यह कहता हूं, "मैं यह करूंगा यदि प्रभु की इच्छा होगी।" समझे? यदि मैं किसी से प्रतिज्ञा करूं, "यदि प्रभु चाहेगा तो मैं यह करूंगा।" समझे? और इसलिए, तब, यदि यह प्रभु की इच्छा नहीं है, मैं... मैं इस सन्देश पर बोलुंगा यदि प्रभु चाहेगा। वह मुझे पुकार सकता है, ठीक संदेश में की, केलिफोर्निया के लिए जाऊं। मैं हर चीज को एक ओर कर दूंगा और कैलिफोर्निया के लिए चला जाऊंगा, जितना जल्दी मैं जा सकूं।

40 और मैं इसी प्रकार से जीना चाहता हूं। मैं किसी भी चीज से बंधना नहीं चाहता। मैं कुछ महान बड़ा नहीं होना चाहता या कुछ, जहां यह लाखों डॉलर में हो, और आपको इतना पैसा चाहिए, हर दिन, कि मुझे बांध सके। मैं चाहता हूं, जहां जब परमेश्वर कहता है, "मैं चाहता हूं कि तुम इन लोगों के पास यहां जाओ। वहां केवल पांच है। परंतु वहां जाओ, और जब तक छोड़ने को ना कहूं वही रहो।" मैं वहां जाना चाहता हूं। कोई बंधन नहीं है, केवल... और यदि वह चाहता है कि समुंदर के पार जाऊं।

41 अब यह यहां है, अभी जर्मनी जाने के लिए, उल्लेख किया, या अफ्रीका को—को। और कोई करोड़पति महिला, उस समय पर कि आत्मा ने मेरे ऊपर डाला कि अफ्रीका जाऊं, उसने कहा, "मैं यात्रा का खर्चा और सब का भुगतान करूंगी।" समझे? बस यही है। मैं पैसे आदि के लिए क्यों चिन्ता करूं, जबकि पिता यह सब कुछ रखता है? समझे? वह इस धनी व्यक्ति से बात कर सकता है, या उस धनी व्यक्ति से, या इन लोगों से उन लोगों से, और मुझे इस विषय में चिंता करने की आवश्यकता नहीं। समझे? परमेश्वर इस सब की चिंता करता है।

42 भाई रॉय, जीने की यही विधि है। बस उसे चिंता करने दे। यह बहुत अच्छा है।

43 अब हम वचन का 4था अध्याय निकालें। और 12वे पद से—से पढ़ना आरंभ करें, 4थे अध्याय के संत मत्ती के सुसमाचार से।

*अब जब यीशु ने...* और *अब जब यीशु ने सुना कि यूहन्ना को बंदीगृह में डाल दिया गया है, तो वह गलील को चला गया;*

*... और नसारत को छोड़ कफरनहूम में, जो झील के किनारे जबूलून और नप्ताली के देश में है जाकर रहने लगा:*

*ताकि जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो,*

*कि जबूलून, और नप्ताली के देश झील के मार्ग से यर्दन के पार, अन्यजातियों का गलील;*

*जो लोग अंधकार में बैठे थे उन्होंने बड़ी ज्योति देखी; और जो मृत्यु के देश और छाया में बैठे थे उन पर ज्योति चमकी।*

*उस समय से यीशु प्रचार करना, और यह कहना, आरंभ किया कि मन फिराओ: क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।*

44 मैं इस विषय पर बोलना चाहता हूं: *और फिर समय से।* आप जानते हैं, कि एक मनुष्य होने के नाते, हम किसी निश्चित समय से चीजों को सोचना आरंभ करते है। अमूक–अमूक घटना घटी, और उस समय से। अब बहुत सी बार, आप बूढ़े व्यक्ति से मिलते हैं या बूढी महिला, और वे बीते समय का उल्लेख करते है जब कुछ घटित हुआ, जिसे वे अलग से दर्शा सकते हैं और कहते है, "यह उस समय था।"

45 अब, मैं समझता हूं कि, आज रात्रि, व्यवहारिक रूप में, हम सब यहां है, और सदस्य को बुला सकते, किसी विशेष बात का स्मरण, जो किसी निश्चित समय में हुई। उस समय में, कुछ बदलाव आया। *अमूक–अमूक* ऐसी–ऐसी बात, यह उस समय पर हुआ। और उस समय के बाद से यह भिन्न था। और यह अच्छी बात है जो हम कर सकते हैं। और उनमें से कुछ यादें, उन बातों की जो हम सोचते है, वे पूज्य बातें हैं जो बदल गई। और कुछ ऐसी चीजे है जो सोचने में पूज्य नहीं है।

46 उदाहरण के लिए, यदि कोई बदनाम स्त्री जिसने, कि कहा कि, "एक समय था कि मैं अच्छी थी धर्मी, चरित्रवान लड़की। और एक निश्चित रात्रि, या निश्चित स्थान, निश्चित बात घटित हुई।" और उस समय से, वह गलत

मार्ग पर है। उसका जीवन पापों से भर गया, और अंधकार और कालिख, और केवल न्याय उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। परंतु वह स्मरण कर सकती, उस निश्चित समय से, यह घटित हुआ जब उसने गलत मार्ग लिया।

47 वो—वो पियक्कड़ पुरुष, आज रात्रि, सड़क पर है, जो अपने दु:ख को पीकर हटाते हैं। आप उसे उठा सकते है। जैसे कि कुछ समय पहले न्यूयार्क की बौरी गली में हुआ, पियक्कड़ों का बड़ा केंद्र। मैं किसी सेवक के साथ जा रहा था। और वहां एक व्यक्ति पड़ा था, ओह, बहुत सारे लोग नुकसान ना करने वाले, असहाय, उनके सामने के कपडे भीगे हुए, और—और उनकी दाढ़ी उनके सारे चेहरे पर बहुत ही डरावनी स्थिति। और वे बिल्कुल अहानीकारक।

48 और इस सेवक ने कहा, "एक को उठाओ, और बस उससे पूछो।"

49 और मैं इस व्यक्ति के पास गया जो एक फुट कार के बप्पर के आरपार पड़ा था, और उसका सिर सड़क पर नीचे था, और जहां वह अयोग्य था बाकी कि—कि—कि समय पर विश्राम स्थानों में जाए। ओह, वह बस भयानक स्थिति में था। और मैंने उसे पकड़ा, और मैंने कहा, "क्या आप बोल सकते हैं? " और उसने मुझे कोई उत्तर नहीं दिया।

50 इसलिए सेवक वहां पहुंचा। वह अधिक जानता है कि उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाए। और उसने उससे पूछा, "तुम कौन हो? "

51 और अंततः उसने उसे काफी उठा लिया, जब तक कि वह यह ना कहे, "यदि तुम मेरे लिए शराब खरीदोगे!" और पता लगा, वह अपनी ऊंगली बैंक की ओर उठा सकता था जिसका कि वह अध्यक्ष था।

52 "अच्छा," उसने कहा, "हम प्रचारक हैं। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि क्या हुआ था? "

"यदि आप मुझसे शराब की प्रतिज्ञा करें!"

53 हम यह नहीं कर सकेंगे। मैंने कहा, "मैं आपके दु:ख में और दु:ख नहीं मिलाऊंगा। मैं आपकी सहायता करना चाहता हूं।"

54 उसकी सारी कहानी। एक रात्रि वह घर आता है, और वहां जो कहते है, "प्रिय जॉन" एक पत्र उस—उस मेज पर रखा था। कि उसकी पत्नी उसे छोड़ गई थी। और... उसने उससे प्रेम किया था। और वह उसके बालक ले गई थी। और उसे तलाक दे दिया गया था, और वह दूसरे व्यक्ति

के साथ भाग गयी थी। और उसने कहा, "मैं नहीं समझ पाया कि क्या करूं कि अपने सिर को गोली से उड़ा दूं, या क्या करूं। इसलिए मैं—मैं शराबखाने में गया।" और उस समय से, वह वहां पर था। यह समस्त संसार में है।

55 झूठ। आप एक ले सकते है, जैसा कि मैंने एक व्यक्ति से कहा, एक दिन, मैंने सोचा चुटकुलो को सुना रहा था। और यह मालूम पड़ा कि, उसने बहुत सारे झूठ बोले जब तक कि उनका स्वयं विश्वास ना कर लिया। और मैंने कहा, "तुमसे यह कौन करवाता है? " और मैं उससे बात करने के लिए बैठ गया। मैंने कहा, "मैं आपसे पूछना चाहता हूं। यह कहानियां लोगों को विश्वास करने के लिए बहुत ही उल्टी–सीधी है।"

56 उसने कहा, "पहली वाली बताने के लिए मैं कभी भी याद रख सकता हूं," उसने कहा, "मैं छोटा लड़का था एक अच्छे घर में मेरा पालन–पोषण हुआ।" और उसने कहा, "मैं गया और मैंने कॉर्नसिल्क सिगरेट थी, तेज दिखने के लिए। और कुछ कॉपी खाई, कि उसकी बदबू हट जाए।" और उसने कहा, "मैंने पीछे पुरानी चिमनी के पीछे, घर के पीछे यह किया।" उसने कहा, "मैं कभी नहीं भूलुंगा, जब मां ने मुझे पकड़ा, और मुझसे कहा 'सनी, मैं तुम्हारा मुंह सुंघू।' और मैंने अपनी सांस उसके मुंह पर मारी, और उसने कहा, 'तुमने अपनी सांस की। किसी चीज की बदबू हटाने के लिए कॉफी खाई है। तुम क्या कर रहे थे? क्या तुम सिगरेट पी रहे थे? '"

57 उसने कहा, "किसी चीज ने मुझ से कहा कि मां को सत्य बता दूं।" उसने कहा, "परंतु मैंने कहा, 'नहीं, मां। मैंने अपने हृदय के ऊपर हाथ रखा। मैं सिगरेट नहीं पी रहा था।'" उसने कहा, "और उस समय से, यह आरंभ हो गया।"

58 हम सब कुछ पा सकते है जो—जो किसी निश्चित समय पर आरंभ हुआ। और उसके बाद से चीजें बदल गई। और दूसरी अच्छी बातें है जिनके लिए हम सोच सकते है। लोग अच्छी भावना से नयी–नयी बातें आरंभ करते हैं, किसी निश्चित समय में, आरंभ करते है।

59 उदाहरण के लिए, जब बैजमिन फ्रेकलीन ने पहली बार बिजली को पाया, और वे उसे जीतने योग्य थे। और वे इस समय से कहने लगे, "कि अब कभी कोई युद्ध नहीं होगा। क्योंकि, यह, बिजली बाडे में लगा दी जाएगी

और इतनी ऊंची वोल्टेज में, यहां तक की कोई मनुष्य, इसे पार नहीं कर सकता।" उनकी मनसा अच्छी थी।

60 और पहले विश्व युद्ध के तुरंत बाद जब—जब केसर वैहेलम ने शांति संबंधी पर हस्ताक्षर किए। हमें यहां अमेरिका में बताया गया। मैं लगभग नौ वर्ष का लड़का था। परंतु मैं स्मरण कर सकता हूं कि सब लोग कहते थे, "अब हम कभी भी कोई दूसरा युद्ध नहीं लड़ेंगे, और समय से यह सदा के लिए तय हो गया।" परंतु हमारा दूसरा युद्ध हुआ था।

61 और जब महान यू एन था, या, मैं कहूंगा, इसके पहले, वे इसे बनाते यह क्या लीग ऑफ नेशन कहलाएं। और उन्होंने कहा, "अब हमारे और युद्ध ना होंगे, क्योंकि अब हमारे पास लीग ऑफ़ नेशन है यह संसार पर दृष्टि रखेगा। और यदि कहीं कोई उठेगा, तो ये लोग जो हर राष्ट्र से है वहां जाएंगे और संसार की चौकसी रखेंगे।" परंतु यह असफल था। वे युद्ध करते रहे। और यू एन वही चीज हो जाएगा।

62 हमें भविष्यवाणी करके बताया गया कि आने वाली रात्रि या रविवार रात्रि... वही व्यक्ति जिसने पर्ल हर्बर की भविष्यवाणी ठीक क्षण पर की वो—वो हवाई जहाज इस पर बम मारेगा, उसने कहा, कि, "रविवार रात्रि बारह बजे पच्चतर प्रतिशत अमेरिकन लोग राख हो जाएंगे, कि रूस संयुक्त राज्य पर बम्ब मारेगा, इस आने वाली रविवार रात्रि बारह बजे।" "वही व्यक्ति जिसने पर्ल हर्बर की भविष्यवाणी की। वे इसे बाहर नहीं बता रहे हैं, क्योंकि लोग भयभीत हो जाएंगे। मैं इसका विश्वास नहीं करता। समझे? नहीं। क्योंकि, यह परमाणु युद्ध से पीढित नहीं हो सकता। उनका एक ध्वनि सीमा से पार निकला *इस* प्रकार से हम उन्हें *उधर* फैक देंगे, और संसार टुकडो में टूट जायेगा। फिर भी कुछ घटित होना है, यीशु के आने से पहले। यह ठीक बात है।

63 उदाहरण के लिए, युवा विवाहित जोड़ा। एक समय था कि उन्होंने विवाह किया। और उन्होंने—उन्होंने एक दूसरे से शपथ खाई। और एक दूसरे से प्रतिज्ञा की, अपनी ईमानदारी की। उन्होंने कहा, कि, "हम प्रेम करेंगे, सम्मान देंगे और एक दूसरे को प्रसन्न रखेंगे, जब तक हम दोनों जीवित है।" परंतु एक समय आता है कि कुछ घटित हुआ।

64 वहां ये सारी बातें वहां—वहां एक समय जब कुछ घटित हुआ। और संभव है उनकी सारी शपथे, और लीग ऑफ नेशन, और आदि–आदि,

हो सकता है, अच्छी भावना हो, परंतु उन सब का अंत हो गया। वह सब उस—उस—उस मनुष्य के पैरों तले टुकड़े–टुकड़े हो गया। सारी अच्छी भावनाओं के साथ जो हमारी हो सकती है, परंतु सब का अन्त होना है।

65 परन्तु एक समय है जहां मनुष्य कुछ ऐसे पर आता है जो अनंत है। यह जब एक मनुष्य, समय का मनुष्य परमेश्वर से मिलता है। यह जब कुछ अनंत घटित होता है।

66 हम अपनी गलतियां करते हैं। हम नये वर्ष की रात में शपथ खाते हैं, केवल इसलिए कि अगले दिन तोड़ दे। हम नये पन्ने पलटते हैं, और शपथ लेते है। और हम पादरी के पास जाते और... हम नहीं, परंतु कैथोलिक करते हैं। और स्वीकार करते है, और शपथ हस्ताक्षर करते है, और हम वेदी पर आते और नया पन्ना खोलते, परंतु सब बेकार। क्योंकि अगली बार कोई हमारे मार्ग में आता है, या कुछ वह पुराना क्रोध फिर वापस आता है। हर बार जब हम परेशानी में जाते है या कुछ, यह फिर से घटित होगा।

67 परंतु एक स्थान है जहां मनुष्य एक समय पर आता है, जो कि उसे सदा के लिए बदल देता है, अनन्त के लिए। "वह जो मेरे पास आएगा, मैं उसे कभी भी ना निकालुंगा," यीशु ने कहा। एक मनुष्य परमेश्वर के पास आ सकता है, और उसका समस्त अनंत लक्ष्य बदल गया। और व्यक्ति परमेश्वर से मिल सकता है, और फिर कभी भी वह वैसा ही नहीं रह सकता। आप परमेश्वर से नही मिल सकते और कभी भी वही व्यक्ति नहीं बने रह सकते जैसे की आप थे। यदि आप उससे फिर जाए, तो आप इतने बेकार व्यक्ति हो जाएंगे जैसे कि पहले कभी नही थे। यदि आप उसे स्वीकार करते हैं, तो आपके पास अनंत जीवन है, और वह आपको अंतिम दिन जिला उठाएगा, अपनी प्रतीक्षा के द्वारा।

68 एक समय एक मनुष्य था जो कि अब्राहम कहलाया, जो कि कसदियो में से निकल कर आया, और वह ऊर नगर में रहता था। और वह एक साधारण मनुष्य था, एक भला मनुष्य। सम्भवत: वह हो सकता है... उसका पिता सम्भवत: मूर्तियों की पूजा करता था, क्योंकि वे बाबुल से निकले। और वह एक साधारण मनुष्य था, और वह बुढा हो रहा था। वह पच्चतर वर्ष का था और उसकी पत्नी पैसठ की।

69 और अब्राहम एक दिन हो सकता है, वह बाहर खेत में था शिकार, या वह जो कुछ कर रहा हो, बेरियां तोड़ रहा हो, या जो भी उसका कार्य

था, वह परमेश्वर से मिला। और उस समय से, वह बदल गया। वह उन चीजो को जो नही थी, देख सकता था जैसे कि वे थी, क्योंकि उसकी भेंट परमेश्वर से हुई थी। वह मिनट और घंटे को जब परमेश्वर से मिला जानता था। इसने उसे बदल दिया। परमेश्वर ने उसे राष्ट्रों का पिता होने के लिए बुलाया। और उसने परमेश्वर और उसकी प्रतिज्ञा का विश्वास किया, क्योंकि वह परमेश्वर से मिला था। पच्चीस वर्षों बाद वे विचार विमर्श कर रहे थे, उससे विचार कर रहे थे, उसे बताया कि उसने किसी गलत बात का विश्वास कर लिया था। परंतु बाईबल ने कहा कि, "वह सारे समय और मजबूत होता गया, परमेश्वर की स्तुति करता रहा।" क्योंकि, वह जान गया था कि परमेश्वर को अपनी प्रतिज्ञा पूरी करनी ही थी।

70 ये जब मनुष्य परमेश्वर से मिलता है। वह उसका रंग रूप बदल देता है। ये उसे सर्वोत्तम चेतना देता है। जैसा कि मैं उस रात्रि बोल रहा था, कि साधारण मनुष्य के पास पांच चेतनाये होती है। परंतु, विश्वासी, जब वह परमेश्वर से मिलता है, तो उसे कुछ भिन्न मिलता है। तो यह सर्वोत्तम चेतना है जो उसे परछाइयों से ऊपर उठाती है। ये उसे उन बातों का विश्वास दिलाती है जिनका घटित होना असंभव है। वे फिर भी विश्वास करते हैं कि ये घटित होगा, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है। जब परमेश्वर मनुष्य से मिलता है, तो कुछ घटित होता है।

71 एक समय था जब मनुष्य सारी बुद्धि की बातों में शिक्षित था, परमेश्वर के वचन का सारा धर्म ज्ञान। वह इसे शब्दों में जानता था। उसे शिक्षा दी गई थी। उसके पास सारी डिग्रियां उपाधियां थी। वह इतना ज्ञानी था कि वह मिस्त्री विद्वानों को भी सिखा सकता था और उनके शिक्षकों को। वह सब कुछ शब्दों में होकर, जान गया। परंतु उसके साथ, वह डरपोक था, वह भाग रहा था, पीछे रेगिस्तान में भाग गया और एक परदेसी के लिए भेड़े चरा रहा था। परंतु एक समय आया कि वहां परमेश्वर ने उससे जलती हुई झाड़ी में भेंट की। और फिर उस समय से, मूसा बदल गया, क्योंकि जलती झाड़ी में से वह परमेश्वर से मिला। और परमेश्वर के आमने सामने, फिर वह वैसा नहीं रहा।

72 जब एक पुरुष या एक महिला... मैं चिंता नहीं करता कि आपने कितनी शपथे खाई है या कितने नये पन्ने पलटे हैं। जब तक आप परमेश्वर से नहीं

मिलते आप बदले हुए नहीं हो सकते। परंतु जब आप एक बार परमेश्वर से मिल लेते है, तो फिर आप सदा के लिए बदल गए।

73 केवल मूसा को ही नहीं बदला। इसने इस्त्राईल को भी बदला। इसने मिस्त्र को बदला। उस समय इसने संसार को बदला, क्योंकि एक मनुष्य परमेश्वर से मिला और उसे उसके वचन पर लिया।

74 आज हमारी क्या आवश्यकता है कि कोई परमेश्वर से आमने–सामने मिले, और उससे हालत पर बाते करें। जब मनुष्य परमेश्वर से मिलते हैं, तो चीजें बदल जाती है। निश्चय ही। केवल यही एक मार्ग है कि हम चीजों को पा सकते है।

75 और उस समय से वह डरने वाला मूसा, मूसा जो भाग रहा था, बदल गया। और समय से, वह प्रभु का दास बन गया। यह सदा इसी प्रकार से कार्य करता है। जब एक मनुष्य परमेश्वर से मिलता है, चीजे बदल जाती है।

76 एक बार एक छोटी लड़की थी 18 वर्ष से ऊपर की नहीं थी, या उतनी बड़ी ना हो, वह एक प्रातः अपने मार्ग पर जल की बाल्टी भरने जा रही थी, वहां नासरत में। वह एक अच्छी छोटी लड़की थी। उसने विश्वास किया। उसके पास विश्वास था। परंतु उस प्रातः, वह परमेश्वर से मिली। और परमेश्वर ने उसे कुछ बताया, उसने इसका विश्वास किया। और उस महिला के लिए सारे जीवन की प्रक्रिया बदल गई, और उसे अमरणहार बना दिया। उसका नाम मरियम था, हमारे प्रभु यीशु की मां। वह महिला एक साधारण छोटी लड़की थी, परंतु वह परमेश्वर से मिली। और फिर उस समय से, कुछ घटित हुआ। निश्चय ही।

77 पतरस नाम का एक व्यक्ति था, एक बूढ़ा मजबूत मछुआरा, सम्भवतः है उतना ही कठोर जितना हो सकता है। और सम्भवतः वह एक बड़ा दबंग हो। क्योंकि यहां कुछ समय पहले, मैंने एक नाटक देखा, जो, "बड़ा मछुआरा" नाम से था। मैं सोचता हूं यह पतरस को बहुत ही अच्छा वर्णन था, क्योंकि वह बड़ा कठोर बूढ़ा व्यक्ति था। उसने किसी बात की चिंता ना की। उसने शायद ही किसी चीज का विश्वास किया होगा। परंतु, एक दिन, वह परमेश्वर से मिला। और उस समय से, वह बदल गया। और उस समय से, वह प्रभु यीशु मसीह का चेला हो गया।

78 जैसा कि भाई डेविड डुप्लेसेस हमें थोड़ी देर पहले, तारसुस के शाऊल के विषय में बता रहे थे, एक खूनी, जिसने घात करने वालों के कोट पकड़ रखे थे, और गवाह था जिसने शहीद स्तफनूस की गवाही दी। उसकी जेब में चिट्ठी थी, कि वह—वह कलीसियाओं के परिषद के अध्यक्ष के पास जाये, और लोगों को गिरफ्तार करें जो बहुत ही शोर कर रहे थे, चिल्ला रहे थे, और परमेश्वर की महिमा कर रहे थे। वह फरीसियो की दृष्टि में महान व्यक्ति था। वह फरीसियो का फरीसी था। परंतु एक दिन दमिश्क की राह पर, वह परमेश्वर से मिला। उसके चारों ओर एक उजियाला चमका। और उस समय के बाद से, वह तारसुस का शाऊल ना रहा। परन्तु वह पौलुस था, एक नम्र, दीन, क्योंकि वह परमेश्वर से मिला, और उसने उसे बदल दिया।

79 एक कोढ़ी था जो फाटक पर पड़ा रहता था। सारी दवाइयों के उपाय उसे चंगा ना कर सके। उसके सड़े हुए घाव इतने बढ़ गए थे कि वह अपने हाथों को भी ऊपर नहीं उठा सकता था। और उसके पांव वह कठिनता से उन्हें खचेड़ता था। उसका मामला आशारहित था। परंतु एक दिन, फाटक से निकलते हुए। वह परमेश्वर से मिला और वह गिरा और प्रणाम किया, और कहा, "यदि तू चाहे, तू मुझे चंगा कर सकता है।"

80 और उसने कहा, "मैं चाहता हूं। तू शुद्ध हो जाए।" और उस समय से, उसे फिर कोढ़ ना रहा, क्योंकि वह परमेश्वर से मिला था।

81 एक अंधा मनुष्य सड़क के किनारे बैठा हुआ था। और वह अंधकार से दिन का उजियाला नहीं देख सकता था। उसकी कोई सहायता नहीं कर सकता था। एक दिन, कोई यरीहो के नगर से चलता हुआ आया, और जब वह परमेश्वर से मिला; और उस समय से वह देख सका। उसकी दृष्टि उसे मिल गई। दृष्टी का उजियाला उसकी आंखों में आ गया, और फिर से देख सका। क्योंकि, जब उस समय से वह यीशु से मिला, वह भिन्न मनुष्य था। उसके पास दृष्टि थी।

जब कोई व्यक्ति परमेश्वर से मिलता है, निश्चय ही कुछ घटित होता है।

82 एक बार एक युवा व्यक्ति था, राष्ट्र का एक अच्छा नागरिक, परन्तु उसे दौरे पड़ते थे। और उसकी दशा इतनी खराब थी कि कैद भी उसे ना रोक सकी। और उन्होंने उसे जंजीरों में बांधा। और उसके अंदर प्रेतो की सेना थी, यहां तक, कि वह जंजीर तोड़ कर स्वयं को स्वतंत्र कर लेता। और प्रेत

आत्माये उसे कब्रिस्तान में ले जाती, जहां वह रहता। और पत्थर को लेकर, और इतनी बुरी हालत थी, कि स्वयं को काटता। ओह, वह भयानक व्यक्ति था। जब उन दौरों ने उसे छोड़ दिया, तो कोई सन्देह नहीं उसने सोचा होगा, "मैं यहां क्या कर रहा हूं? " और उस समय के लगभग प्रेत आत्माये फिर उसके पास आएगी उसे कटेगी, और फाड़ेगी। परंतु, एक दिन, वह यीशु से मिला। और उस समय से गढरा का वह पागल सही स्थिति में था, कपड़े पहने हुए, उसके चरणों के पास बैठा था। वह सज्जन पुरुष के समान घर वापस जा सकता था। वह सभ्यता में वापस जा सकता था। वह अपने प्रियजनों के पास वापस जा सकता था, और कह सकता था, "उस समय से, मैं बदल गया।" हां।

83 वहां एक दिन कलवरी पर था, जहां परमेश्वर और मृत्यु आमने–सामने मिले, जब जीवन और मृत्यु एक साथ आए। परंतु वही जब जीवन, मसीह ने, मृत्यु का डंक खींच लिया। और उस समय से, मृत्यु में डंक नही रहा। मैं इसके लिए बहुत आनंदित हूं। परमेश्वर! मृत्यु और परमेश्वर मिले। मृत्यु वैसी नहीं रही। अब उसमे डंक नही रहा। मसीही विश्वासी उसके सामने जा सकता है और कहता है, "हे मृत्यु, तेरा डंक कहां है? कब्र तेरी जय कहां है? " क्यों? क्योंकि वे दोनों परमेश्वर से मिले। और उस समय से वे वैसे नहीं रहे।

84 कोई मनुष्य वैसा नहीं रह सकता, कुछ भी वैसा नहीं रह सकता, जब ये एक बार परमेश्वर से मिल ले। आप कभी भी वैसे नहीं रहेंगे।

85 मैं स्मरण कर सकता हूं वहां चिकित्सालय के पलंग पर पड़े हुए। डॉक्टर ने मुझे जीवंत रहने के लिए तीन मिनट दिए थे। मेरी ह्रदय की धड़कन, सत्रह बार प्रति मिनट थी। मैं परमेश्वर से मिला। तब से, मैं वैसा नहीं रहा। मुझे कुछ हुआ। कोई मुझे कुछ भिन्नता नहीं बताता। बिली ब्रन्हम मर गया। मैं परमेश्वर से मिला, और कुछ मेरे पास आया। और उस मिनट से जब मैं परमेश्वर से मिला मैं कभी भी वैसा नहीं रहा। उसने मुझे बदल दिया। उसने मुझे कुछ भिन्न बना दिया मैं नए वर्ष की शपथ नहीं ले रहा था, परंतु मैं परमेश्वर से मिला।

86 पुरुषो और महिलाओं, जब आप परमेश्वर से मिलते हैं, आप बदल जाते है। आज रात्रि हम अपनी शपथे लेते हैं; और कल प्रातः वापस जाते हैं, कि उन्हें तोड़ दे; अगले दिन, कि उन्हें तोड़ दे। परंतु हमें क्या करने

की आवश्यकता है, कि नए वर्ष की शपथ लें, परंतु हमें आवश्यकता है कि परमेश्वर के आमने सामने आए, और अनंत जीवन पाए उसके आत्मा से जन्म ले।

87 एक बार एक बूढ़ा व्यक्ति था, और वह निर्णय नहीं ले पा रहा था। शैतान उसे निरंतर चोट पहुंचा रहा था। एक दिन बाहर खेत में, उसने घुटने टिकाए और प्रार्थना की। जब वह प्रार्थना कर रहा था, उसने एक खूंटा गाड़ा। उसने कहा, "यह एक स्मारक रहे। शैतान, यदि तू कभी फिर मेरे पास आया, तो मैं तुझे यह खूंटा दिखाऊंगा। मैं तुझे बताऊंगा कि ठीक यहां मैं परमेश्वर से मिला हूं, और यहां से यह तय हो गया।" हमें इसी किसी की आवश्यकता है, हो सकता है खेत में कहते की नही, परंतु कहीं, किसी गुप्त स्थान में, किसी जगह। ना कि एक...

88 ओह, आज रात्रि, सैकड़ो ने शपथ ली होगी, उन हजारों ने ली होगी। और अगले वर्ष हमें उन्हें फिर से लेना होगा। हम कहेंगे, "हम झूठ बोलना छोड़ देंगे। हम *यह* करना छोड़ देंगे। और हम अपना क्रोध एक ओर रख देंगे। हम परमेश्वर के लिए और अधिक करेंगे। हम *यह*, या *वह, आदि–आदि* करेंगे," और केवल यह पाएंगे, कि यह सब बेकार है।

89 आज रात्रि क्या करने की आवश्यकता है, कि परमेश्वर के आमने सामने आए। और वहां से, वह बदली हुई सृष्टि है। हाल्लेलुय्या! ओह, मेरी इच्छा थी कि जैसा मैं विश्वास करता हूं मैं इसे बता सकता। परन्तु जब मनुष्य परमेश्वर से मिलता है, वह उस मिनट से बदल जाता है, अपने बाकी के दिनों में। वह कभी भी वैसा नहीं रहेगा, क्योंकि उसे अनंत जीवन मिल गया। वह एक नई सृष्टि है। पुरानी बातें जाती रही, और उसके लिए सब बातें नयी हो गई। वह नया देखता है।

90 बीमार व्यक्ति परमेश्वर के सामने आ सकता है, जबकि डॉक्टर ने कह दिया है, "वह मरने वाला है।" परन्तु वह परमेश्वर के सामने आ सकता है, और अपने मामले के लिए निवेदन कर सकते है। और वह भिन्न व्यक्ति के समान बाहर आ सकता है, और उस समय से।

91 ओह, मुझे स्मरण है अपशौह कांग्रेसी पहिए वाली कुर्सी पर, छियासठ वर्षों से बैठा हुआ था। उस रात्रि, सामने कैलिफोर्निया में, जब पवित्र आत्मा नीचे आया, और बोलने लगा, वह परमेश्वर से मिला। और तब से वह, बिना अपनी बैसाखियो के चल सका।

92 मैंने ऐसा समय देखा है जब कैसर से खाये हुए लोग लेटे है, उनमें कुछ नही केवल छाया है। और डॉक्टर ने उन्हें छोड़ दिया होगा और कहा होगा, "ये तो गए।" उनके प्रियजन जमा हो गए, कि अंतिम बातें कहे, ताकि वे उन्हें हिम्मत बंधा सके। परंतु वे परमेश्वर मिले, और उस समय से, वे बदल गए। वे भिन्न रीति से जीवित रहे।

93 मैं वहां सड़क पर गलत स्त्री को देख सकता हूं। मैं वहां शराब खाने में पियक्कड़ो को देख सकता हूं। मैं कलीसिया में ढोंगीयो को देख सकता हूं। वे विभिन्न प्रकार के लोग, हर नए वर्ष पर एक नया पन्ना पलटते हैं, और कुछ भिन्न करने का प्रयत्न करते हैं, और अपनी वापसी का यत्न करते है, और आदि–आदि उन्हें एक बार परमेश्वर से मिलने दे, और उस समय से,

94 और तब से यीशु ने उन्हें प्रचार किया जो मृत्यु की छाया में बैठे थे।

95 और आज रात्रि मैं कहता हूं, यदि एक मनुष्य अपने में वास्तविक बदलाव चाहता है, तो उसे परमेश्वर के आमने सामने आने दो, और उसे एक बार मिलने दो, तब वे कह सकते है, "तब से, तब उस समय से मैं एक बदला हुआ मनुष्य हो गया। मैं अपने अनुभव को जानता हूं।"

96 थोड़ी देर में कलीसिया, यहां वेदी के चारो ओर जमा होगी। आप अपने जीवनों को फिर से पवित्र करेंगे। आप चीजों को छोड़ देंगे, और चीजों को वेदी पर रख देंगे। भाई, मैं आपको कुछ सलाह दूं। यदि आप कभी भी परमेश्वर से नहीं मिले है, आमने–सामने, तो मैं आपको कुछ बता दूं। आप वेदी पर टिके रहे। वही रहे जब तक आपकी भेंट परमेश्वर से ना हो जाए, तब आप अपनी उंगली पीछे के नए वर्ष की ओर उठा सकते है। नहीं, और कहते है, "मैंने नया पन्ना पलटा है। मैंने नई शपथ ली है।" परंतु, "इस समय से, मैंने परमेश्वर से भेंट की। और जीवन बदल गया, और चीजे भिन्न हो गई। और मेरे लिए सब कुछ नया हो गया, और फिर, इस समय से," वह समय जब आप परमेश्वर से मिले।

97 यह नए वर्ष से भेंट नहीं है। जो कि हम अभी कुछ मिनटों में, देखने जा रहे है, थोड़ी देर बाद लगभग ढाई घंटो के, मैं समझता हूं, इससे भी कम नए वर्ष में हम आमने–सामने मिलेंगे। हम शपथो के साथ मिलेंगे हम प्रतिज्ञाओं के साथ मिलेंगे। हम अच्छी भावनाओं से मिलेंगे। हम इससे मिलेंगे, कह रहे

है, "हम नया पन्ना पलटने का यत्न करेंगे। हम भिन्न करने का यत्न करेंगे।" यह सब अच्छा है। मैं इसकी सराहना करता हूं।

98 भाई, जब तक आप पहले परमेश्वर से नहीं मिलेंगे, यह अनंत नहीं होगा। जब आप पहले परमेश्वर से मिलते हैं, और, फिर, उसके बाद से हर चीज भिन्न होगी।

जब हम अपने सिरो को झुकाते हैं हम प्रार्थना करें।

99 प्रभु यीशु, परमेश्वर के पुत्र, मुझे वह समय याद है जब प्रभु, मैं आपसे मिला। मुझे स्मरण है, एक बेचारा, अच्छा सभ्य जीवन जी रहा है, इधर–उधर नहीं भाग रहा है, पीना, या जुआ खेलना, या धूम्रपान, या आदि–आदि। परंतु मैंने प्रभु को जाना, जब मृत्यु चुपचाप से अस्पताल के उस कमरे में आई, लगभग बीस वर्षों पहले, मेरे जीवन में कुछ घटी थी। वहां मैं परमेश्वर से मिला, और उस समय से। उस समय से, प्रभु, उस समय से मैंने आपकी सेवा का यत्न किया। मेरा जीवन बदल गया और सब कुछ भिन्न दिखता है। मैं बहुत आनंदित हूं कि, प्रभु, मैं आपसे मिला। और आज रात्रि, नए वर्ष के सामने, मैं यह कहने के लिए आनंदित हूं कि मैं इसका सामना अपने हृदय में जीवित परमेश्वर के आत्मा के साथ कर सकता हूं।

100 प्रभु, हमें अनुभव दे हमें अपनी भलाई और दया दे, हमारे पापों को हम से क्षमा कर। और प्रभु परमेश्वर, हम इस आने वाले वर्ष में जीये, एक अनुभव के साथ, कि हम आपसे मिले है और हमारे जीवन बदल गए है। प्रभु, इसे प्रदान करें। हमारी घटियों को तू हमें क्षमा कर। हमारे अंदर अपना पवित्र आत्मा रख। हमारी अगुवाही और मार्गदर्शन कर।

101 पिता परमेश्वर, यहां 1960, मेरे सामने है। और समस्त संसार में सभाओं का सुअवसर है, जहां कि ऐसा प्रतीत होता है कि दसियों हजार बार हजारों, और हजारों और हजारों मूर्तिपूजक कठोर, अन्यजाति, और आदि–आदि, आपके पास आ सकते है। ओह प्रभु परमेश्वर, अपने हृदय में आपके आत्मा के साथ, मैं आज रात्रि आपकी वेदी की ओर मुंह करता हूं, और आपकी ओर, और कहता हूं, "ओह परमेश्वर, मेरी सहायता कर। मेरा हृदय उत्साह से जल रहा है। प्रभु, मैं आपसे प्रेम करता हूं। मैं स्वयं को आपको सेवा में देता हूं। मेरा कहीं भी मार्गदर्शन करें। जहां आप मुझे भेजना चाहे भेजे प्रभु। बस बोले, और मैं जाऊंगा।"

102 मेरी कलीसिया को आशीषित करें। भाई नेविल को आशीष दे। यहां सारे लोग और जो अपरिचित हमारे साथ है, उन्हें आशीषित करें। और ये पादरी लोग जो समय–समय पर बोलेंगे, इस सारी सांझ को, परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप इनकी सेवकाई को आशीषित करेंगे। भाई नेविल। भाई जूनी जैक्सन। भाई बीलर, इन सारे सेवकों को आशीष दे, पिता। 1960 में हमें महान वर्ष दे।

103 प्रभु, हम जो जानते हैं कि हम आपसे आमने–सामने मिले हैं, और जानते हैं कि आपके आत्मा से जन्म लेने का क्या अर्थ है, हमें अपनी अनंत दया दे, कि आपकी सेवा कर सके। यीशु के नाम में हम यह प्रार्थना करते हैं। आमीन।

104 आप उस से प्रेम करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] 1960, इसे वैसा ना होने दे, "मैंने नया पन्ना पलट दिया है।" इसे वैसा ना होने दें, "मैं नया जीवन आरंभ करने का यत्न करता हूं।" परंतु ऐसा होने दे, "मैं परमेश्वर से मिला हूं, और उस समय से, उस समय के बाद से मेरे पास शांति है जो समझ देती है। मेरे पास मुंह से ना कह सकने वाला आनंद है और महिमा से भरा हुआ। मेरे पास संतोष है। यहां तक कि यदि मृत्यु भी मेरे पास आए, तो अपनी अंतिम सांस के बाद जो ली, इसके एक मिनट बाद मैं परमेश्वर की गोद में होऊंगा। कोई मतलब नहीं कि क्या होता है!"

105 उन्हें रविवार रात्रि को, यदि वे चाहें, तो उड़ा देने दो वे चाहे। बम्ब इस में दरार नहीं डालेगा, जब तक हम उसके साथ महिमा में होंगे। आमीन। हमें कोई भी हानी नही पहुँचा सकता। हाल्लेलुय्या!

106 मैं बहुत आनन्दित हूं कि मैं परमेश्वर से मिला। मैं आनन्दित हूं कि मैं कह सकता हूं कि, "उस समय से।" उस बिन्दू पर ऊंगली रख सकता हूं! "जब मैं परमेश्वर से मिला, मुझे कुछ हुआ। मैं उस मिनट से बदल गया। मैं तभी से बदल गया।" मैं इस मार्ग पर बहुत आनन्दित हूं, आज रात्रि, जैसे एक गवाही महिमा में है और परमेश्वर की सामर्थ। यहां पुराना कुछ है, और परमेश्वर यहां उतर आया और मुझे अपना अनुग्रह दिया, और मुझे बचाया, और मुझे चंगा किया, और मुझे अपने आत्मा से भर दिया। और मुझे उसका सुसमाचार प्रचार करने दो, जो कि संसार में सबसे महान आदर है। उस समय से इस समय तक, मुझे कभी कोई पछतावा नहीं हुआ। परंतु इन सारे

दिनों में धन्यवादित रहा, और रहूंगा, इस सारी अनंतता में, कि मैं परमेश्वर से मिला।

परमेश्वर आपको आशीष दे। ठीक है, भाई नेविल।

***और उस समय से*** HIN59-1231

(And From That Time)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में नए वर्ष की संध्या पर, गुरुवार शाम, 31 दिसंबर, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

## कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:



वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org